

साइलेंट किलर है उच्च रक्तचापः डॉ. राजेश्वर

अवधनामा संवाददाता



महत्वाकांक्षी 75-25 पहल युरु की भारत सरकार ने उच्च स्तरीय स्वास्थ्य व्यवस्था को व्यवस्था में रखते हुए बहुत से ज़ज़र रहे हैं। सरोजीनीगढ़ विधायक, डॉ. राजेश्वर सिंह, इस स्वास्थ्य समस्या से ज़ज़र को लेकर अपनी चिंता और विचार करते हैं।

सम्पादकीय

कोहली को जन्मदिन का तोहफा

5 अक्टूबर विराट कोहली का जन्म दिन है। भारत अप्रीका को हरा कर नवंबर एक पर अपना कब्जा कायम रखता। साथ ही किंग कोहली को जन्म दिन पर शनवार तोहफ़ दिया। मैच शुरू होने के पहले दर्शक दीर्घ में हैपी थ्रॉ डे की तस्तिक लहरा रही थी। लोग अपनी कृतज्ञता उत्सव के साथ जाहिर कर रहे थे। कोहली ने 101 से ना आउट की शनवार परी खेल कर भारतीय टीम की जीत पक्की कर दी थी। उसमें श्रेयस अश्वर के 77 रनों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। कोहली ने अपने जन्म दिन पर क्रिकेट में एक और उत्पलब्ध हासिल की। उन्होंने तेजुलकर के 49 शतकों की बराबरी की। भारतीय टीम ने टास जीत कर पहले बैटिंग चुना। पांच वीकेट पर 326 रन बनाये। साथ अप्रीका की टीम जब बल्लेजी के लिये उत्तरी रेटिंगों ताश के पत्ते की तरह ढहने लगे। इसे जीत के लिये 327 रनों का टारोर मिला था। पर साउथ अप्रीका की पूरी टीम 83 रनों पर सिमट गयी। लोगों को अहसास था कि टक्कर काटी होगा पर मैच एक तरफ़ हो गया। इसमें कोहली और श्रेयस का योगदान सराहनीय रहा। भारतीय बाटिंग शनवार रही जिसमें जड़ेगा ने पांच वीकेट लिया। शमी और कुलदीप ने दो-दो वीकेट लिये और सिराज ने ढी काक का महत्वपूर्ण वीकेट लिया।

भारत की इस बल्लेज के लिये लगातार आठवीं जीत है। अंकों की तालिका में 16 अक्टूबर के पहुंच कर नवंबर एक बला हुआ है। वही साथ अप्रीका यह मैच हार कर 12 अंक लेकर अपने नवंबर को पर बने रहे का क्रम कायम रखता। भारतीय टीम की जीत पर बधायी बोले कि बरसात होने लगी। प्रधानमंत्री मोदी, यूरोपीय अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, खेल मंत्री अनुग्रह त्रिवृत, और विपक्ष के रुहुल गांधी ने भी बधायी दी। भारत बल्लेज का प्रबलतम दावेदार मना जा रहा है। सम्भावना यह जताई जा रही है फैलन में साउथ अप्रीका की भिन्नत भारत से ही होगी।

अपना जन्म दिन लोग अपनी तरह से मराते हैं। कोहली अपना जन्मदिन जो सबसे अच्छा कर सकते हैं उन्होंके करके मराते हैं। उस दिन उन्होंने शतक अर्जन कर अपने जन्मदिन मनाया। विपक्ष बैटिंग के लियाँ तोहफ़ होने के बाद उन्होंने एक अंक लेकर साउथ अप्रीका को बधायी बोला। इसके बाद उन्होंने एक अंक लेकर अप्रीका को बधायी कर दिया। अंकों के लिये लोगों को बधायी दी गयी। अंकों के लिये लोगों को बधायी करते हैं। 50 ओवर के क्रिकेट में यह सर्वाधिक शतक है। सचिन को क्रिकेट के देवता माना जाता है। उनकी बराबरी कर लेना गौरव की बात है। सचिन ने सबसे पहले कोहली को बधायी दी। कोहली के बचपन के कोच रायकुमार शमी और उनका परिवार समझ नहीं पा रहा था कि वह किस तरफ़ अपनी खुशीयां मनाये। रायकुमार शमी बताते हैं अंक साल के कोहली की बैटिंग देख उन्हें अहसास हो गया था कि यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनेगा। उनका कहना हो गया कोहली का किंबद्ध बने सचिन ने तेजुलकर की बराबरी करना हमारे लिये इंधरी आर्थिक वाद है।

यह इतनक ही है कि सचिन ने भी पहला शतक कोहली की तरह 25 के उपर में हासिल किया था। सचिन ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ शरजाह में 29 अप्रैल 1998 में 134 रनों की पारी खेल कर बनाया था। कोहली ने कहा है भारत के लिये खेलना हमारे लिये हमेशा बड़ी बात है। पर इनी बड़ी भीड़ के सामने अपने जन्मदिन पर शतक बनाया हमारे सपनों का मसाला रहा है। भगवान का भी अहसासमन्दर हूँ। हलाकू कोहली की यह अच्छी पारी नहीं थी पर उन्होंने वहाँ 49 वर्षों तक बनाकर इसे यादगार बना दिया। क्योंकि सचिन के सर्वाधिक शतक की बराबरी कर ली। 50 ओवर के क्रिकेट में यह सर्वाधिक शतक है। सचिन को क्रिकेट के देवता माना जाता है। उनकी बराबरी कर लेना गौरव की बात है। सचिन ने सबसे पहले कोहली को बधायी दी। कोहली के बचपन के कोच रायकुमार शमी और उनका परिवार समझ नहीं पा रहा था कि वह किस तरफ़ अपनी खुशीयां मनाये। रायकुमार शमी बताते हैं अंक साल की कोहली की बैटिंग देख उन्हें अहसास हो गया था कि यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनेगा। उनका कहना हो गया कोहली का किंबद्ध बने सचिन ने तेजुलकर की बराबरी करना हमारे लिये इंधरी आर्थिक वाद है।

